वर्ष-01 - अंक 02 - पृष्ठ-04 - मासिक समाचार पत्र - इंदौर / अहमदाबाद से एक साथ प्रकाशित संस्करण

वर्ष 1 - अंक 2 | मूल्य ₹ 5.00

हमारा संकल्प सेवा और समर्पण

हूमड़ वाणी

अंतर्राष्ट्रीय संगठन का दर्पण

10 जुलाई, 2024 । बुधवार

फेडरेशन आफ हूमड़ जैन समाज का मुख पत्र

धर्म के लिए जिए, समाज के लिए जिए, ये धडकने, ये स्वांस हो, हूमड़ समाज के लिए

(अन्तर्राष्ट्रीय संगठन)

सम्पादकीय

मनुष्य में बीज की तरह अनेक सम्भावनाये और क्षमता है। किन्तु बीज से बरगद बनने की यात्रा तभी संपन्न होगी जब व्यक्ति अपनी क्षमताओं को जागृत कर ले। आसक्त चेतनाएं तभी अनासक्ति की और बढ़ पाएगी जब वह अंतर्दृष्टि का जागरण न कर ले। बड़ी सजगता व् सहजता के साथ आगे बढ़ने का लक्ष्य बनाकर मंजिल का वरन किया जा सकता है। सभी को इस और ध्यान देना चाहिए ताकि क्षमता का व्यापक दोहन हो सके। जो व्यक्ति समाज से जितना लेता है, यदि उतना ही लोटा देवे तो वह एक सामान्य व्यक्ति की श्रेणी में आता है। जो समाज से जितना लेता है उससे कही अधिक उसे लौटाए तो उसे एक विशिष्ट व्यक्ति कहा जा सकता है, लेकिन जो व्यक्ति जीवन पर्यन्त समाज की सेवा में लगा रहे और कुछ लेने की आकांक्षा न रखे, वह एक असाधारण व्यक्ति ही कहलायेगा। हमें ऐसे ही असाधारण व्यक्तियो की झड़ी लगाना होगी। जब आप में ऐसे असाधारण व्यक्ति के गुण समां जायेंगे तो एक अलग ही छवि बनकर उभरेगी। इसके लिए जरूरी है अपने आप को बदले ताकि समाज का भला हो सकें।

यशपाल जुवां

हुमड़ चेतना कुम्भ

शपथ विधि समारोह एवं तीर्थाटन

फेडरेशन ऑफ़ हुमड़ जैन समाज के द्वारा 14 एवं 15 जुलाई को हुमड़ चेतना कुम्भ का आयोजन हुमड़ समाज की उद्गम स्थली ईडर में किया जाना है इस आयोजन में संपूर्ण भारत से हुमड़ समाज के अतिथियों के आने की सुचना है जिसमे मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, दक्षिण भारत एवं देश के अन्य स्थानों से भी अतिथि आने वाले है।

विशेष प्रस्तुति
अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्दि प्राप्त
श्री चकोर जी गांधी द्वारा

सावधान !

धंधा बदल रहा है... आगे क्या? जाने प्रेरक वक्ता...

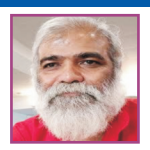

विशेष प्रस्तुति
भारत माता को समर्पित
बाबा सत्यनारायण जी मौर्य

बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी चित्रकार, कवि हृदय, संगीतकार सबसे उपर 'भारत माता' को समर्पित आनन्द उत्साह और उमंग के प्रणैता

इस वर्ष गठित वर्ष 2024-26 की नई कार्यकारिणी ने निर्णय लिया है की इस हुमड़ चेतना का कुम्भ विशेष रूप ईडर से विराजमान परम पूज्य गणिनी आर्यिका रत्न श्री सुभूषण मति माताजी के आशीर्वाद से नव निर्वाचित पदाधिकारियो की शपथ विधि 14 एवं 15 जुलाई 2024 को संपन्न होगी। इस आयोजन में कुछ विशेष प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। सभी आने वाले अतिथियों के लिये विशेष रूप से ठहरने एवं भोजन की संपूर्ण व्यवस्था को अंजाम दिया जा रहा हैं। अनुमानित चर्चा अनुसार देश के विभिन्न शहरो के पहली बार 250 से ऊपर पदाधिकारियो एवं अन्य अतिथियों को मिला कर 600 सदस्य आ सकते हैं। आने वाले सभी साथियो को 15 जुलाई को विशेष रूप से ईडर, तारंगा, देरोल देवपुरी व खेड़ब्रह्मा के उद्गम स्थलों को भ्रमण कराया जायेगा। इस आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था में सभी प्रोविंश के महिला एवं पुरुष तैयारी में लगे हुए है, विशेष रूप से शपथ विधि में समारोह अधयक्ष श्री दिनेश जी खोड़निया, सागवाड़ा विशेष अतिथि, श्री विजय जी कोठारी, कुशलगढ, श्री विमलचंद जी गांधी इन्दौर, श्री कमल जी पाडलिया, इन्दौर, श्री चेतन शाह वालेकर बारामती, श्री किशोर भाई शाह, बारामती श्री डॉ. शालीन जैन, बडोदा, श्री सुनील कोठारी, घाटोल, श्री राजेश जी शाह उदयपुर।

समारोह अध्यक्ष

समारोह अध्यक्ष
श्री दिनेशजी खोड़निया
सागवाड़ा

विशेष अतिथि

श्री डॉ. शालीनजी शाह
बड़ौदा

श्री विजयजी कोठारी
कुशलगढ़

श्री विमलचंदजी गांधी
इन्दौर

श्री राजेशजी शाह
उदयपुर

श्री किशोरजी शाह
बारामती

श्री कमलजी पाड़लिया
इन्दौर

श्री चेतन ए. शाह वालेकर
बारामती

श्री सुनीलजी कोठारी
घाटोल

18000 दशाहुमड़ दिगंबर जैन समाज के द्वारा शिविर आयोजित

नई पीढ़ी संस्कारवान होकर धर्म, अध्यात्म और संस्कृति के पथ पर आगे बढ़े

वागड़-मेवाड़ के गांवों में समाज के नौनिहाल हो रहे संस्कारों से शिक्षित-दीक्षित

पीढ़ी संस्कारवान, समाज गतिमान के मूलमंत्र को लेकर गांव-गांव आयोजन

18000 दशाहुमड़ महिला महासभा की अध्यक्षा साधना कोठारी ने बताया की समाज की नई पीढ़ी संस्कारवान बनकर धर्म, अध्यात्म के पथ पर आगे बढ़े और संस्कृति को संरक्षण देते हुए जैन समाज का नाम रोशन करें। 18000 दशा हुमड़ दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष दिनेश खोडनिया की प्रेरणा से वागड़-मेवाड़ के गांवों में चलाएं जा रहें संस्कार शिविरों का आयोजन किया गया।

समाज के गांवों में गत 8 जून से शुरु हुआ संस्कार शिविर 17 जून तक आयोजित हुआ। यह आयोजन जयपुर, दशा हुमड़ युवा महासभा तथा महिला महासभा के साझा तत्वावधान में हुआ। शिविर में नौनिहाल प्रातःकाल भगवान का अभिषेक, पूजा, अर्चना की विधि सीख रहें थे। शिविर में धर्म, समाज, परिवार, व्यापार एवं भाईचारे संबंधी संस्कारों से शिक्षित - दीक्षित करने के प्रयास किये गये।

महिला महासभा की अध्यक्षा कोठारी ने बताया की समाज की नई पौध एवं पीढ़ी में बाल्यावस्था से ही धर्म और अध्यात्म के साथ सामाजिक एकता, मर्यादा, गरिमा, संतों की सेवा, अभिभावक की सेवा के संस्कारों का बीजारोपण आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि बुनियादी संस्कारों से ही युवा पीढ़ी राष्ट्र, के निर्माण में सहयोगी होगी एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति समर्पित रह पाएगी।

50 विद्वतजन ने दी संस्कारों की शिक्षा। युवा महासभा के अध्यक्ष दीपेश लालावत ने बताया कि जयपुर की श्रमण, संस्कृति समिति से 50 विद्वान पंडित आये थे जो सभी गांवों में बच्चों को संस्कारों की शिक्षा दे रहें थे तथा प्रशिक्षित कर रहें थे। महिला महासभा की अध्यक्षा साधना कोठारी, पदाधिकारी अरुणा खोड़निया, रेखा पंचोरी, ममता संघवी, चन्द्रप्रभा शाह, कौशल्या सरिया, वनिता शाह ने सागवाड़ा, पीठ, कुआं, ओबरी आदि गांव में जाकर शिविरों का अवलोकन किया। सभी गांवों में शिविर को लेकर बहुत उत्साह था। समाजजनों की अपेक्षा है कि इस प्रकार के शिविर का आयोजन भविष्य में भी होते रहना चाहिये जिससे नई पीढ़ी संस्कारवान होकर धर्म आध्यात्म और संस्कृति के पद पर आगे बढ़े

हूमड़ समाज के सभी गौत्र की अधिष्ठात्री कुल देवियां

जोगेश्वरी देवी, मात्रेश्वर-पंकेश्वर

पुष्पेश्वरी देवी, अमरेश्वरी देवी, गंगेश्वर

मूलेश्वरी देवी, उत्तरेश्वर

बिलेश्वरी देवी, खेरजा

कंका देवी, कोसेश्वर

तोतला देवी, मंत्रेश्वर

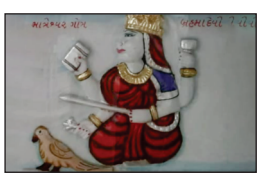

ब्रह्मा देवी, आत्रस्थ

चामुण्डा देवी, शंखेश्वर

पंका देवी, शान्ता देवी, कमलेश्वर

महाराज देवी, रजियाणु

कामा देवी, कामेश्वर

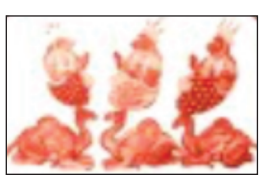

दत्तेश्वरी देवी मंत्रेश्वर

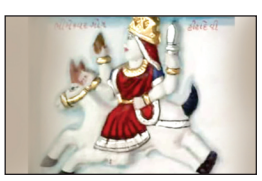

हीरा देवी, भीमेश्वर

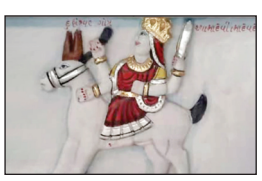

श्यामा देवी, दुग्धेश्वर

सरस्वती देवी, बुद्धेश्वर

मौनिका देवी, भटकेश्वर

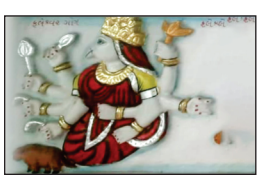

फलेश्वरी देवी, फलेश्वर

विल्वेश्वरी देवी, विश्वेश्वर

अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की सभी प्रदेश की प्रोविन्स की नियुक्ति

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश छत्तीसगढ़ प्रोविन्स

अध्यक्ष
दीपक कुमार भूता
मन्दसौर

मंत्री
महावीर कोटडिया
मन्दसौर

परामर्शदाता - कविन्द्र कियावत, उपाध्यक्ष - अनिल कियावत मन्दसौर, महावीर मादावत जावरा, जिनेन्द्र गडिया जावद, सुनील दोशी उज्जैन, हार्दिक पंचोली राणापुर, कोषाध्यक्ष - राकेश दोशी मन्दसौर, सहमंत्री - अभय शाह देवास कार्यकारिणी सदस्य - चेतन सालगिया इंदौर, रविन्द्र दोशी इंदौर, राजकुमार बंडी इंदौर, विक्रम भिंडा उज्जैन, अश्विन मेहता देवास, अनीता बंडी मन्दसौर, दिनेश दोशी मंदसौर, कनक पंचोली मन्दसौर, सुनिता बंडी मन्दसौर, सीमा भिंडा मन्दसौर, रीतेश जैन जावरा, महावीर दोशी भावगढ़, शीखरचंद गांधी मनासा, अरुण कोठारी थांदला, विमल दाणी झाबुआ, दीपक कोरिया भानपुरा, कमलेश जैन खण्डवा, अभय जैन रतलाम, अभिषेक तलाटी भोपाल, अरुण मेहता भोपाल

गुजरात प्रोविन्स

अध्यक्ष
श्रीपाल शाह
अहमदाबाद

मंत्री
पूरव वी. दोशी
अहमदाबाद

उपाध्यक्ष - चिराग गांधी ईडर, कपिल जुवां, अहमदाबाद, सुदीप जैन (दोशी) विजयनगर, मनीष पानवाला सूरत, निर्मलकुमार भूता संतरामपुर कोषाध्यक्ष - हर्षद डी. शाह सहमंत्री - विजयनगर, कार्यकारिणी सदस्य - आर्जव दोशी अहमदाबाद, मोक्ष दोशी अहमदाबाद, गायक भूता अहमदाबाद, संदीप डावड़ा अहमदाबाद, राजेश जी. शाह अहमदाबाद, भूपेन्द्र छापिया विजयनगर, निमेश एच. गांधी संतरामपुर, प्रफुल्ल जे फादीया ईडर, आशीष एच. तलाटी वडोदरा, डॉ. परेशभाई खेड़ब्रह्मा, प्रियांक गांधी वडोदरा, कपिल वी. गांधी अहमदाबाद, समीरभाई पानवाला सूरत, कल्पनाबेन दोशी वडोदरा, लता घी वाला सूरत, सेजल पानवाला सूरत, प्रियांक कुमार एन.शाह नवसारी, बीजल के.शाह ईडर, अशोक गांधी भरुच, सिद्धार्थ मिल मांडवी, पलक भाई एल.शाह भावनगर, दिलीप गांधी सूरत

दक्षिण भारत

अध्यक्ष
प्रमोद जे. शाह
गुलबर्गा

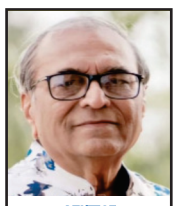
अध्यक्ष
डॉ. सुभाष जी. शाह
गुलबर्गा

जनरल सेक्रेटरी
जितेश वी. कोठारी
गुलबर्गा

वाईस प्रेसिडेन्ट - डॉ. श्रेयश पी. कोठारी गुलबर्गा, अंकुश बी. शाह गुलबर्गा, अंशुमन डी. शाह बैंग्लोर, विजय एस. मेहता बैंग्लोर, संतोष बी. शाह अलंद, सेक्रेटरी - तन्मय पी. शहा गुलबर्गा, ज्वाईंट सेक्रेटरी - राहुल डी. शहा गुलबर्गा, ट्रेजर - विनय एस. शाह गुलबर्गा, ज्वाईंट ट्रेजर - मुकेश पी. मेहता गुलबर्गा, एक्जीक्युटिव मेम्बर्स - आनंद सी. शहा गुलबर्गा, अभिजीत ए.शहा गुलबर्गा, डॉ. पी.जी शहा गुलबर्गा, डॉ. रंजीत एस. शहा गुलबर्गा, संदेश सी. शहा गुलबर्गा, डॉ. प्रशांत पी. शहा गुलबर्गा, प्रीतम मेहता गुलबर्गा, अमित ए. शहा अलंद, मनोज वी. शहा अलंद, विशाल ए. गांधी अलंद, विकास जे. शहा विजयपुर, सुनिल वी. गांधी बैलगावी, रमेश एम. शहा बैलगावी, अभिजीत ए. शहा बैंग्लोर, डॉ. हरशद एम. शहा बैंग्लोर, अजय आर. शहा बैंग्लोर, विनय एस. मेहता बैंग्लोर

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़

अध्यक्ष
धनपाल शाह
सरोदा

महामंत्री
गोवर्धनलाल जैन
कुंआ

मंत्री
कल्पीत कोठारी
अरथुना

परामर्शदाता - दिनेश खोड़नीया सागवाड़ा, हंसमुख जैन प्रतिष्ठाचार्य धरियावाद, बसंतलाल सर्राफ साबला, मोहनलाल पिण्डारमा, आदिनाथ कॉलोनी, सुरेश संघवी बांसवाड़ा, अजीत कोठिया डडुका, अशोक शाह उदयपुर, पवन गोवाडिया सागवाड़ा, बी.टी. शाह नयागांव (हैदराबाद), देवेन्द्र छापिया उदयपुर हीरालाल जैन कलिंजरा, जयंतिलाल शाह नयागांव, विजय जी. जैन डूंगरपुर, अशोक जैन सागवाड़ा, विजयकुमार एडवोकेट सागवाड़ा, उपाध्यक्ष - धनपाल लालावत घाटोल, भरतकुमार कोरावत परतापपुर, रमेशचन्द्र वगेरिया उदयपुर, कीर्तिकुमार शाह सागवाड़ा, पवनकुमार जावरिया उदयपुर, अनिल जैन दोशी तलवाड़ा, साधना कोठारी सागवाड़ा, कौशल्या सरिया गलियाकोट, हेमन्त सेठ बांसवाड़ा, महासचिव - सुरेशचन्द्र गांधी नौगामा, अंकेश सेठ घाटोल, भरत सेठ चीतरी, सहसचिव - रजनीश जैन नयागांव, कोषाध्यक्ष - प्रकाश दोशी तलवाड़ा, सह कोषाध्यक्ष - नरेन्द्र पंचोली खेरवाड़ा, कार्यकारिणी सदस्य - रक्तदान प्रभारी - निलेश सेठ बांसवाड़ा, पर्यावरण प्रभारी - हेमलता सरिया उदयपुर, नैत्रदान प्रभारी - डॉ. विपिन शाह सागवाड़ा, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी - कमलेश धीरावत गढ़ी, प्रवक्ता - मुकुल भूता, राजमलजी कोठारी, गोवर्धनलालजी दोशी डेचिया पीठ, कुरीचंदजी दोशी घाटा, श्रीपालजी गांधी घाटा, डॉ. शैलेन्द्र जैन बांसवाड़ा, लोकेश शाह जेठाणा, हेमंत शाह परतापुर, संदीप जैन गढ़ी, राजेन्द्र कुमार कोठिया डडूका, श्रीमती विमला दोशी परतापुर, अनिल मेहता उदयपुर, विकेश मेहता बांसवाड़ा, शैलेन्द्र दोशी बांसवाड़ा, उत्सव जैन नौगामा, संजय जैन अरथुना, सतीश जैन खोडन, जिनेन्द्र जैन पालोदा, श्रीमती लीला दोशी तलवाड़ा, श्रीमती रेखा जैन दोशी सागवाड़ा, दिनेश ए. शाह आंजना, कांतिलाल दोशी बिछिवाड़ा, महेन्द्र जैन पुष्पक बांसवाड़ा, अजय एच. जैन कलिंजरा, अनील बी. शाह परतापुर, अनिल डी. जैन एसी परतापुर, देवेन्द्र जैन बोरी, धर्मीलालजी ओबरी, राजमलजी कोठारी।

महाराष्ट्र एवं गोवा प्रोविन्स

अध्यक्ष
किरणकुमार जे.शहा
पुणे

मंत्री
डॉ. रविकिरण शहा
पुणे

उपाध्यक्ष - श्रेणिक शहा औरंगाबाद, राहुल शहा भंगलवेढा, वीरकुमार दोशी सदाशिवनगर, महावीर शहा पुणे, अतुल गांधी बारामती, कोषाध्यक्ष - शरद हिराचंद दोशी खंडाला, सहमंत्री - प्रो. मनीष शहा सोलापुर, कार्यकारिणी सदस्य - डॉ. श्रेणीक शहा, महिर गांधी, सुशील शहा, सचिन शहा, भारत दोशी, अमोल दोशी, आदित्य शहा, नमन गांधी, रविंद्र गांधी, नंदकुमार दोशी, अमृत गांधी, नितीन दोशी, डॉ. राजेश शहा, राजेन्द्र कोठारी, नितीन गांधी, डॉ. सूर्यकांत दोशी, दिपक व्होरा, विपुल शहा, अतुल गांधी, प्रमोद दोशी, अनिल शहा, सूर्यकांत शहा, आदिराज कोठाडिया, राजकुमार व्होरा, विजय शहा, सत्यजित दोशी, प्रितम गांधी, धनंजय शहा, मयूर गांधी, अभिजीत दोभाडा, नरेन्द्र गांधी, संजय गांधी, वीरकुमार दोशी, शीतल गांधी, सचिन दोशी, श्रीमंदर डडु, विनोद गांधी, डॉ. विकास शहा, नितीन शहा, परेश दोशी, मनोज गांधी, राजेश गांधी, दिलीप गांधी, आनंदलाल गांधी, पोपटलाल दोभाड़ा, सारंग शहा, राजकुमार शहा, प्रेमवर्धन शहा, डॉ. राजेश फडे, शैलेश गांधी, भरतेश गांधी, वैभव शहा, नमोकार दोशी, महावीर शहा, प्रितम शहा, सुहास शहा, अभयकुमार गांधी, शीतल शहा, सचिन गांधी, चेतन शहा, धन्यकुमार शहा, रविंद्र शहा, वीरेन्द्र शहा

महिला प्रकोष्ठ

मध्यप्रदेश प्रोविन्स

अध्यक्ष
मधु कोठारी
उज्जैन

सचिव
डॉ. मोनिका जैन
उज्जैन

उपाध्यक्ष - अचला पालवीया इंदौर, रीमा पतंग्या उज्जैन, ममता जैन झाबुआ, अनिता भिंडा मंदसौर, सहसचिव - सोनल कियावत जावरा, कोषाध्यक्ष - प्रीया हुमड़ खण्डवा, कार्यकारिणी सदस्य - किरण झागड़ावत इंदौर, कल्पना बक्षी इंदौर, मंजुला पतंग्या देवास, अनिता रामावत मनासा, रागिनी भूता भावगढ़, राजेश्वरी दोशी मंदसौर, बीना जैन शामगढ़, सीमा गांधी रतलाम, ज्योति दोशी उज्जैन, सुधा दोशी इंदौर, रक्षा कियावत मंदसौर, अरुणा मेहता थांदला, यश्वी साह राणापुर, संगीता पंचोली झाबुआ, मंजुला भूता मंदसौर, रेणु कोठारी उज्जैन, शोभा कोठारी इंदौर

गुजरात प्रोविन्स

अध्यक्ष
लता घीवाला
सूरत

सचिव
प्रतिभा खासगीवाला
सूरत

उपाध्यक्ष - स्मिता दोशी ईडर, प्रीति बोबरा अहमदाबाद, कल्पना दोशी वडोदरा, प्रीति एन.शाह. सूरत, सह-मंत्री - मिता शाह मांडवी, कोषाध्यक्ष - जैमिनी शाह रांकुवा, कार्यकारिणी सदस्य - भावना शाह सूरत, तृप्ति कपाडिया सूरत, नीलम पी.शाह सूरत, धारिणी घीवाला सूरत, वैशाली टोपीवाला नवसारी, यमि तलाटी वडोदरा, मोनिका गांधी ईडर, संकेश्वरा सुरेखा बेन ईडर, कपिल गांधी अहमदाबाद, रेणुका कोडिया अहमदाबाद, डॉ. प्राचि शाह अहमदाबाद, रीटा शाह हिम्मतनगर, जसवंती शाह विजयनगर, भक्ति शाह भावनगर, ख्याती जैन दाहोद, गुंजन जैन संतरामपुर, रिंकू दोशी तलोद

राजस्थान प्रोविन्स

अध्यक्ष
डॉ. निधि जैन
कुशलगढ़

सचिव
शशी बंडी
प्रतापगढ़

उपाध्यक्ष - प्रेरणा शाह सागवाड़ा, डॉ. सीमा चांपावत उदयपुर, श्वेता मादावत उदयपुर, रीता सेठ घाटोल, डॉ. रागिनी शाह बांसवाड़ा, सचिव - दीपाली रोकडिया गढ़ी, कोषाध्यक्ष - डॉ. श्वेता कराडिया बांसवाड़ा, कार्यकारिणी सदस्य - सुविधा जैन अजमेर, माया जैन बांसवाड़ा, कुमकुम सरैया प्रतापगढ़, प्रियंका तलाटी बरोडिया, तिलकनंदनी शाह सागवाड़ा, महालक्ष्मी कोटडिया डूंगरपुर, टीना गांधी बांसवाड़ा, रुपाली भुवारियां, भिलवाड़ा, नयना डागरिया धरियावाद, अल्पा सालगिया बांसवाड़ा, कल्पना जैन गढ़ी, पायल जैन खांदू कॉलोनी, नीलम जैन कलिंजरा, संगीता जैन परतापूर, नीलम जैन डडूका, उषा पंचोली धरियावाद, रविटा कराडिया खमेरा, पुष्पक जैन डूंगरपुर, पूजा जैन डूंगरपुर, सुनीता पाड़लिया उदयपुर, नलिनी गोवाडिया सागवाड़ा, ललिता गांधी प्रतापगढ़

महाराष्ट्र एवं गोवा प्रोविन्स

अध्यक्ष
तनुजा शहा
नीरा

सचिव
संगीता पेटकर
मुंबई

उपाध्यक्ष - पूनम शहा लोणंद, पदजा शहा दहिवडी, वासंती कोठारी सोलापुर, स्वाती गांधी टेंभुर्णी, मनीषा शहा दौंड, दिपाली गांधी पुणे, नेहा शहा निरा, संगीता शहा बारामती, सह मंत्री - ज्योति गांधी पुणे, कोषाध्यक्ष - प्रियंका जोशी बारामती, कार्यकारिणी सदस्य - सोनिका शहा पुणे, सारिका मेहता लोणंद, किशोरी शहा फलटण, रश्मी शहा बारामती, सोनल शहा बारामती, मीना शहा फलटण, पूजा जोशी फलटण, पूजा शहा वाला, कल्पना गांधी टेंभुर्णी, नेत्रा शहा अकलूज, संगीता होरा अकलूज, मोना शहा करमाला, पल्लवी शहा करमाला, पल्लवी शहा पुणे, पूजा कोठारी फलटण, शिल्पा शहा पुणे, ज्योति शहा पुणे, संगीता शहा सोलापुर

दक्षिण भारत प्रोविन्स

अनिता मेहता - अध्यक्ष
हैदराबाद

तनुजा पी.शाह - महामंत्री
गुलबर्गा

वाईस प्रेसिडेन्ट - कल्पना एस. शाह गुलबर्गा, अनिता राणावत हैदराबाद, भावना शाह हैदराबाद, नीलिमा एस. शाह अलंद, वैशाली ए. शाह गुलबर्गा, जनरल सेक्रेटरी - पूनम एस.शाह गुलबर्गा, ज्वाईंट सेक्रेटरी - साधना एस. मेहता गुलबर्गा, एक्सटर्नल अफेयर सेक्रेटरी - नीलम सी.शाह गुलबर्गा, ट्रेजर - मयूरा जैन गुलबर्गा ज्वाईंट ट्रेजर - मानसी टी. शाह गुलबर्गा, यूनिवर्सल एक्टीविटी - सदाना एस. मेहता गुलबर्गा, एक्जीक्युटिव मेम्बर - अनूजा एस. शाह गुलबर्गा, विनीता वी. शाह गुलबर्गा, प्रतिमा पी. शाह गुलबर्गा, सुखदा वी. शाह गुलबर्गा, अंकिता पी. शाह गुलबर्गा, नर्मता एस.शाह अलन्द, मोनिका कोठारी गुलबर्गा, मिलन एस.शाह गुलबर्गा, परिता एस. कोठारी गुलबर्गा, गीता एस. कोठारी गुलबर्गा, अंजलि ए. शाह गुलबर्गा, रजनी के. मेहता गुलबर्गा

टाइम्स नाउ डॉक्टर्स डे कॉन्क्लेव 2024 में डॉ हर्षल शाह सम्मानित

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज श्री अभिनव बिंद्रा द्वारा भारत के सबसे प्रेरणादायक गैस्ट्रो एंटेरो लॉजिस्ट में से एक के रूप में टाइम्स नाउ डॉक्टर्स डे कॉन्क्लेव 2024 में डॉ हर्षल शाह हूमड़ जैन को दिल्ली में सम्मानित करने पर संपूर्ण हुमड समाज गौरवांवित हुआ।

श्रद्धांजलि

श्रीमती कांतादेवी वगेरिया-मुंबई
डॉ. इन्दरमलजी पाडलिया-इंदौर
श्री विक्रम हवलदार-रतलाम
श्रीमती शकुंतला जवेरीलालजी कोठारी-इंदौर
श्री कान्ति आनंदीलालजी गांधी-मंदसौर
प्राप्त जानकारी अनुसार

हूमड़ जैन महिला मंडल उज्जैन द्वारा भोजन सेवा

महावीर इंटरनेशनल केन्द्र उज्जैन द्वारा संचालित महावीर भोजनशाला में 13.06.2024 को मिष्ठान सहित भोजन सेवा हूमड़ जैन महिला मंडल उज्जैन द्वारा दी गई, भोजन सेवा देकर सामुहिकता के साथ सेवा प्रदान की गई। महावीर इंटरनेशनल केन्द्र उज्जैन द्वारा अनुमोदना की गई।

जैन मित्र शैलेन्द्र जी घिया
अहिंसा रत्न अवॉर्ड से सम्मानित

अहिंसा संघ के युवा प्रणेता, यशस्वी, कर्मठ और सामाजिक दृष्टिकोण रखने वाले पूज्य विनम्र सागरजी महाराज ने अहिंसा रत्न अवॉर्ड से मुंबई निवासी मित्र शैलेन्द्र जी घिया को सम्मानित किया एवं महाराष्ट्र प्रशासन के केबिनेट मंत्री, मुंबई के लोकप्रिय नेता, श्री मगलप्रभातजी लोढ़ा ने घियाजी का शॉल, श्रीफल व प्रतीक चिन्ह से स्वागत किया। संपूर्ण भारत के हुमड समाज के लिये गर्व की बात है।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के मुख पत्र का विमोचन

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के मुख पत्र हूमड़ वाणी का विमोचन हूमड़ उद्गम स्थल ईडर में फेडरेशन के महामंत्री महेन्द्र बंडी इन्दौर, मध्यप्रदेश प्रोविन्स के अध्यक्ष दीपक भूता मंदसौर कार्यकारिणी सदस्य श्री विजय गांधी डूंगरपुर, ईडर समाज के अध्यक्ष, मंत्री व अन्य गणमान्य नागरिकों के सम्मुख **परम विदुषी गणिनी आर्यिका रत्न श्री सुभूषणमति माताजी** के कर कमलों से किया गया।

आर्यिका माँ ने आशिर्वाद देते हुए हूमड़ समाज और उसके इतिहास की प्रशंसा करते हुए कहा हमें जैनत्व की रक्षा के लिए संगठित होना आवश्यक है। संपूर्ण समाज को आपने मंगल आशीर्वाद दिया और हमारे कार्यक्रमों के सफलता का आशीर्वाद दिया। सभी उपस्थित भक्तों ने गुरु मां का पाद प्रक्षालन किया।

श्री पार्श्वनाथ जिनालय के 133वें स्थापना दिवस पर निकाली रथयात्रा

श्री पार्श्वनाथ जिनालय बंडीजी का बाग के 133वें स्थापना दिवस पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हुए। हूमड़ जैन समाज के अध्यक्ष दीपक कुमार भूता ने बताया कि सुबह श्री पार्श्वनाथ भगवान का पंचामृत अभिषेक व शांतिधारा धर्म प्रभावना के साथ संपन्न हुआ। इसके पुण्यार्जक कनक मोहनलाल पंचोली परिवार थे। भगवान की रथयात्रा मंदिर से शुरु हुई जो शहर के विभिन्न मार्गों से होकर पुनः मंदिर पहुंची। इसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

हूमड़ महिला परिषद द्वारा नवनिर्मित श्री पार्श्वनाथ वाचनालय का शुभारंभ बक्षी परिवार ने किया। वाचनालय में पुराने ग्रंथ, जिनवाणी, विधान व पाठ की पुस्तकें रखी गई है। बक्षी परिवार मुंबई ने वाचनालय के रख-रखाव के लिए 11 हजार की राशि महिला परिषद को भेंट की। महावीर कुमार दोशी और अशोक कुमार बापुलालजी मेहता परिवार ने प्रभावना वितरित की। शाम को मंदिर में भगवान और जिनवाणी की 133 दीपक से आरती की गई। हूमड़ महिला परिषद ने शास्त्र सजाओं प्रतियोगियों को सम्मानित किया। साथ ही शास्त्रों को व्यवस्थित करने वाली महिला सदस्यों का भी सम्मान किया। हूमड़ मित्र मंडल ने प्रभु चालीसा का पाठ किया।

जैनत्व को जीवन्त रखने में विदेश में रहने वाले भारतीय भी अग्रणी

कौन कहता है पाश्चात्य संस्कृति हावी हो रही है वेशभूषा, मंगल कलश पूजा पद्धति, शौभा यात्रा सभी विधि विधान से । बालक हो या बड़ा,बालिका हो या महिला सब के अन्तरंग से प्रस्फुटित भारतीय जैन वितराग विज्ञान। यही तो है जड़ से जुड़े रहने का उपक्रम। देव शास्त्र गुरु की कृपा से यह क्रम विदेश में रहने वाले भारतीयों में बढ़ रहा है।

श्री हुमड़ युवा मंच इन्दौर की वार्षिक साधारण में वर्ष 2024-25 हेतु पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन

श्री हूमड़ युवा मंच, इन्दौर की वार्षिक साधारण सभा में नवीन कार्यकारिणी का निर्विरोध चयन पूर्व अध्यक्ष कमेटी द्वारा किया गया। निर्वाचित कार्यकारिणी द्वारा निम्न पदाधिकारियों का चयन वर्ष 2024-25 के लिये किया गया।

अध्यक्ष श्रीमती पूनम पाणोत, **उपाध्यक्ष** श्री विनय भाणेज, **सचिव** श्री अनुपम बक्षी, **सह.सचिव** श्री अक्षय झगडावत, **कोषाध्यक्ष** श्री सोमिल बंडी। **कार्यकारिणी सदस्य** - श्री अनिमेश मादावत, श्री रुचिर भांचावत, श्री हर्ष पाणोत, श्री अतित तलाटी,श्री रुपेश बक्षी, श्री अर्पित चांपावत व मयंक गोवाडिया, राहुल कोठारी, श्रीया पालविया, ओशिन तलाटी, हिमांकी मादावत को मनोनीत सदस्य नियुक्त किया गया, सभा में उपस्थित सदस्यों एवं पूर्व अध्यक्षों ने निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत व अभिनंदन किया। आभार नव निर्वाचित सचिव अनुपम बक्षी ने व्यक्त किया।

पिता के लिये पुत्र द्वारा दी गई भावांजलि

स्व.श्री ललितजी बंडी

अपने जीवन में हम बहुत दूरदर्शिता का निर्वाह करते हुए हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने की कोशिश करते हैं, परंतु आप कितनी भी कोशिश कर ले इस समय के लिए आप अपने आप को तैयार नहीं कर सकते हैं। मैं अपनी तरफ़ से कोशिश करूँगा, परंतु अगर मेरे पिताजी श्री ललित शोभागमल जी बंडी के व्यक्तित्व के व्याख्यान में अगर कोई कमी रह जाती है तो वो कमी मेरी अभिव्यक्ति की है, उनके व्यक्तित्व की नहीं। ये शब्द थे ललित जी के पुत्र उत्कर्ष बंडी के।

एक सामान्य किंतु कर्तव्यपरायण और निष्ठावान घर में जन्म लेने वाले घर के सबसे बड़े सपुत्र के कर्तव्य की सीमा कई गुना बढ़ जाती हैं। मेरे पिताजी की परवरिश के मूल में सिद्धांत, अनुशासन, सामाजिक सरोकार और मितव्ययिता थे और इसका प्रसंग थे, मेरे दादाजी श्री शोभागमल जी बंडी और मेरी दादी जी श्रीमती विमला देवी के संस्कार, एक भरा पूरा परिवार जिसने ६ भाई और तीन बहने थे और सामाजिक चेतना जिसमे एक जीविषा थी अग्रसर और निर्बाध रहने की। इन्ही सब से उनके चरित्र का निर्माण हुआ एक ऐसे व्यक्ति में जो अपने काम के प्रति अपार निष्ठा रखते थे, अपने सह कर्मियों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाते थे, जिज्ञासु दृष्टिकोण् के धनी थे और सामाजिक वैश्विक सोच का निर्वहन करते थे। अपने जीवन में उन्होंने अपने भाइयों और बहनों की लिए वटवृक्ष की भूमिका निभाई। अपने माता-पिता के लिए एक कर्तव्यनिष्ठ बेटे की, मेरी माता, मेरी पत्नी, मेरे पुत्र और मेरे लिये एक संरक्षक की और अपने दोस्तों जानकारों के लिये एक हसमुख और हरफ़नमौला साथी की।

जिस भी जीवन के संपर्क में वो आये, उसे उन्होंने बेहतर बनाया और कई माध्यमों द्वारा कभी किसी का हौंसला बढ़ा के, कभी किसी की बाधाओं को दूर कर के, कभी किसी को अपार स्नेह दे कर, कभी मार्गदर्शन कर के और कभी असहज ही सही किसी को त्रुटियाँ इंगित कर के ताकि वे यथोचित सुधार कर सके। जितनी आत्मीयता से वो ये सब कर सकते थे वो ईश्वर की अनुकंपा के बिना असंभव थी।

मेरे जीवन के वो प्रेरणा स्रोत थे । उनसे मैंने सीखा की अपने कार्य के प्रति कितना निष्ठावान होना चाहिए कैसे अपने संबंधों को सत्य पे स्थापित किया जाये, कैसे अपने रिश्तों को सींचा जाये और कैसे अपने आसपास एक ख़ुशनुमा वातावरण का निर्माण किया जाये।

जब उनके देहांत की सूचना समाज और उनके जानकारों में पहुँची तब एक ऐसी संवेदना का संचार हुआ जिसे शब्दों में बाँधना थोड़ा मुश्किल है। मैं विस्मित इस बात से था कि कैसे कोई एक व्यक्ति इतने लोगों के लिए भिन्न भिन्न व्यक्तित्व हो सकता है। किसी के सखा, किसी के मार्गदर्शक, किसी के आदरणीय, किसी की प्रेरणा और सबके अपने। अपनी गहरी और स्पष्ट छाप वो हम सभी पर छोड़ कर गये हैं। कल तक वे हमारे जीवन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल थे और आज परोक्ष रूप में हमारी स्मृति में।

यहाँ पे मुझे एक हिन्दी गीत याद आ रहा है, आप सभी जानते हैं कि वे हिन्दी गीतों और कविताओं के कितने बड़े शौक़ीन थे, इसलिए उनकी श्रद्धांजलि में हम इसकी बात ना करें ऐसा तो हो नहीं सकता वो गीत कुछ इस प्रकार है कि रहें ना रहें हम महका करेंगे, बनके कली, बनके सबा, बाग़ ए वफ़ा में.... वफ़ा उन्होंने हमसे पूरी शिद्दत से निभाई और एक मोड़ पे हमसे रुख़सत हो लिये और हम अब उसी महक से सरोबार उनकी यादों को संजो, अपने जीवन का निर्वाह करेंगे और कोशिश करेंगे कि उनकी धरोहर को आगे बढ़ा सकें। सही मायनों में यही हमारी श्रद्धांजलि होगी ....बंडी परिवार

चैतन्य वन.. धर्म.. कला.. प्रकृति का महासंगम

इतिहास बनाने के लिये रगो में खून चाहिए,
हसने और खिलखिलाने के लिये सुकून चाहिए
संसार में हर कोई चाहता है हवा जन्नत की,
परन्तु जन्नत पाने के लिए जूनून होना चाहिए

इतिहास गवाह है की कोई भी व्यक्ति जो सफलता के शिखर पर पंहुचा है उसके मूल में जूनून रहा है। कुछ कर गुजरने का संकल्प, कुछ कर गुजरने की दृढ इच्छा के साथ भावना ही किसी भी व्यक्ति को दुसरो की तुलना में विशिष्ठ बनाती है। हुमड़ समाज के वरिष्ठ सोनगिर निवासी श्री अर्जित दोशी धार्मिक होने के साथ-साथ अत्यंत सरल एवं सादगीपूर्ण जीवन का निर्वाह कर रहे है। बाबूजी ने इंग्लैंड से इंजीनियरिंग कर के वही पर ८ वर्षो तक नौकरी इंग्लैंड में ही की, लेकिन अपनी संस्कृति व माता पिता के संस्कार ने उन्हें वापस भारत बुला लिया, विदेश रहने के दौरान माँ जो की धार्मिक विचारो वाली थी उनकी एक बात बाबूजी को अपनी जन्म भूमि सोनगिर खींच ले आई, माँ का कहना था की बेटा मेरे लिए एक ऐसी कुटिया बना दे जहा मंदिर व संतो के आहार की व्यवस्था हो। माँ के ये ही वचन बाबूजी को अपनी जन्मभूमि खींच लाई, इन्ही भावनाओ का परिणाम आज हम सब के लिए प्रतिफल के रूप में चैतन्य वन-धर्म-कला-प्रकृति का महा संगम बनके सामने खड़ा हुआ है। बाबूजी ने अपना पूरा जीवन ही चैतन्य वन के लिए समर्पित कर दिया है। अनेक विशेषता के परिपूर्ण चैतन्य वन है।

कहते है बहुत धन बुरा है, परन्तु वही धन भला बन जाता है जब उससे परोपकार के कार्य सम्पादित हो ऐसा धन आपके पुण्य को ठीक वैसे ही बढ़ाता है जैसे दुसरो के ललाट पर तिलक करने वालो का अंगुष्ठ मंगल कुमकुम, केशर तिलक करने से स्वयं अभिरंजित हो जाता है, अतः हमेशा अपनी सम्पति धन का समय पर सदुपयो करना आवश्यक है।

चेतनकुमार जी दोशी बाबूजी ने एक ऐसा अनूठा धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थान का निर्माण किया है जो चैतन्य वन के नाम से अपना एवं हमारे समाज का नाम रोशन कर रहा है, चैतन्य वन का निर्माण बाबूजी न अपने द्वारा अर्जित धन का सदुपयोग करते हुए व इस तीर्थ का निर्माण किया है। श्री चैतन्य कुमारजी दोशी एवं डॉ. श्रीमती

यहाँ पर भगवान् आदिनाथ मंदिर, संत निवास, बाहुबली मंदिर, कैलाश पर्वत, पाण्डुकशिला, ध्यान केंद्र मानस्तम्भ एवं धार्मिक ग्रंथालय का निर्माण किया हुआ है, जो दर्शनीय है। प्राकृतिक सम्पदा और धर्म का समागम यहाँ नक्षत्र वन के रूप में देखने मिलता है, जहा व्यक्ति अपनी राशि के अनुसार उन वृक्षो के निचे बैठ कर ध्यान कर सकता है। इस हेतु बाबूजी ने ज्योतिष ग्रंथो का अध्ययन भी किया है, ध्यान के लिए पिरामिड की तरह बैठने के स्थान का निर्माण किया, सभी वृक्षों एवं तीर्थंकरो का साथ जोड़ने के लिए केवल ज्ञान वृक्ष भी बनाये, यहाँ तक जिन वृक्षों के निचे तीर्थंकरो को केवलज्ञान हुआ उस वृक्ष के निचे उन्ही तीर्थंकरो के चरण भी लगाए हुए है, इस वन में जाने का मार्ग त्रिफला मार्ग है जहा आसपास ऑवला, हरड़, बहेड़ा के पैड भी लगाए है, ये अनूठा त्रिफला का संगम शायद ही कही होगा। यहाँ पर नीलकमल के कुंड है, इस कुंड में खिले हुवे १०८ नील कमल को मांगीतुंगी में हुवे भगवान् आदिनाथ के पंचकल्याण के समय उनके चरणों में अर्पित किये थे, साथ ही यहाँ पर कई औषधी के वृक्ष भी उपलब्ध है। बाबूजी के मन में मूक पशुओ के प्रति करुणा भाव बना हुआ है। कत्ल के लिए जो पशु जाते है, उन पशुओ को छुड़ाने के बाद यहाँ पूर्ण वात्सल्य के साथ आश्रय देते है। चैतन्य वन में कला दीर्घा भी है जहा

सुन्दर धार्मिक व सांस्कृतिक पेंटिंग लगी है। यहाँ पर चौबीस तीर्थंकरो के केवली वृक्ष की पेंटिंग भी है। बाबूजी श्री चेतन कुमार दोशी ने अपने अर्थ पुरुषार्थ को जिस तरह धर्म, प्रकृति एवं मूक पशुओ के प्रति वात्सल्य का पुरुषार्थ को अपने गृहस्थ जीवन का प्रण बनाया हुआ है। कहते है बहुत धन बुरा है, परन्तु वही धन भला बन जाता है जब उससे परोपकार के कार्य सम्पादित हो ऐसा धन आपके पुण्य को ठीक वैसे ही बढ़ाता है जैसे दुसरो के ललाट पर तिलक करने वालो का अंगुष्ठ मंगल कुमकुम, केशर तिलक करने से स्वयं अभिरंजित हो जाता है, अतः हमेशा अपनी सम्पति धन का समय पर सदुपयो करना आवश्यक है।

योग बनाएं निरोग

अभय बंडी

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हमें योग के बारे में पूर्ण जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। क्यों इस विद्या को इतना महत्व दिया गया है एवं देश-विदेश में इसे अपनाया जा रहा है। सामान्य जन मानस में योग के बार में धारणा है कि योग एक व्यायाम पद्वति है, या योग एक चिकित्सा पद्वति है। योग की प्रतिस्पधाएिं आयोजित करके आयोजकों ने इसे खेल तक में शामिल करवा लिया है। योग इन सबसे अलग एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण जीवन पद्वति है। इसके माध्यम से शरीर तो स्वस्थ होता ही है, दीर्घायु भी होता है। योग से आपका मन शांत होता है एवं आत्मा शुद्व, निर्मल एवं पवित्र होती है। योग की शोधन क्रियाओं के माध्यम से शरीर के विभिन्न अंग प्रत्यंगों में जमा विजातीय द्रव्य या दूषित पदार्थ (Toxic) को शरीर से बाहर निकाला जाता है, जिससे शरीर आरोग्य प्राप्त करता है।

योग सिर्फ आसन एवं प्राणायाम नहीं है, योग के आठ अंग है - 1. यम (सत्य, अहिंसा, अस्तेष, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्या) 2. नियम (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय एवं ईश्वर प्राणिधान) 3. आसन (स्थिर सुख आसन, प्रयत्न शैथिल्यास अनंत समापत्तिभयाम्) 4. प्राणायाम् (प्राणों का विस्तार यानि दीर्घायु की प्राप्ति एवं तन की शांति) 5. प्रत्याहार (इंद्रियों पर पूर्ण नियंत्रण) 6. धारणा (मन को एकात्र करना) 7. ध्यान (किसी एक विषय का चिंतन मनन करना) 8. समाधि (अपनी आत्मा में डूब जाना, ईश्वर से संपर्क स्थापित करना।)

इन आठ यंत्रों की साधना ही योग है। आजकल योग को अत्यंत विकृत कर दिया गया है। पावर योगा, हास्य योग, जल योग एवं न मालूम क्या-क्या। योग कक्षाओं में भी योग कक्षाओं के नाम से, शुद्ध व्यायाम शालाऐं चलाई जा रही है। जहां पर आसन करवाते समय उसके मूलभूत सिद्धांत स्थिरं सुखं आसनम् पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता एवं साथ ही मन एवं आत्मा की शुद्धि का कोई ध्यान नहीं रखा जाता है। प्राणायाम् करवाते समय भी उसकी मूल भावना चले वाले चले चित्तं, निश्चले निश्चले भवेत् का कोई ध्यान नहीं रखा जाता है। बाकि 6 अंग तो नदारद ही है।

आज के समय में इस बात की आवश्यकता है कि विदेशों से आये हुए योगा को भारतीय योग में परिणत किया जाऐं। उक्त बातें फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज द्वारा बहादुरलाल-अमृतलाल जैन होस्टल परिसर पर 21 जून को योग दिवस पर योग गुरु श्री अभय जी बंडी द्वारा बताया गया। उक्त आयोजन में अत्यंत सरलता से योग प्राणायम का अभ्यास कराया और समझाया, जैन धर्म के सभी सिद्धांत योग का ही एक हिस्सा है। योग गुरु अभय जी का सम्मान हंसमुख जी गांधी, विमलचंद जी गांधी, फेडरेशन के राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र बंडी एवं महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय प्रभारी कौशल्या पतंग्या ने किया। समाजजनों ने अतिउत्साह के साथ इस आयोजन में भाग लिया।

पंजीयन सोसायटी: एक्ट 1860, क्र.गुज/13132 अहमदाबाद एवं मुम्बई पब्लिक ट्रस्ट 1950, एफ./12993 अहमदाबाद

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज

(अन्तर्राष्ट्रीय संगठन)

पंजीकृत कार्यालय: 9, सिंदुर को-ओ., हाउसिंग सोसायटी, ईश्वर भवन के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380 014

पत्र व्यवहार का पता: 'सन्मति' 29/3, स्नेहलतागंज, इंदौर (म.प्र.) 9827255910

राष्ट्रीय कार्यकारिणी महिला प्रकोष्ठ 2024-26

विपिन विमलचंद गांधी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
8518811000

महेन्द्र कांतिलाल बंडी
राष्ट्रीय महामंत्री
9827255910

कौशल्या पतंग्या
राष्ट्रीय प्रभारी
9826634080

सुजाता शहा
राष्ट्रीय मंत्री
9822027336

मधु कोठारी, उज्जैन
उपाध्यक्ष म.प्र. प्रोविंस
9685822044

लता घी वाला, सूरत
उपाध्यक्ष गुजरात प्रोविंस
9428057586

डॉ. निधि सेठ, कुशलगढ़
उपाध्यक्ष राजस्थान प्रोविंस
9461162186

तनुजा शहा, नीरा
उपाध्यक्ष महा. प्रोविंस
9960857057

अनिता मेहता, हैदराबाद
उपाध्यक्ष द.भारत प्रोविंस
9502034665

सुप्रिया दोशी, बोस्टन
एन.आर.आई प्रोविंस
+1 (617) 386-3151

श्वेता बंडी, एस.एफ.ओ.
एन.आर.आई प्रोविंस
+1 (510) 384.0736

आरती पाडलिया, मंदसौर
मंत्री
9893012600

उषा पाडलिया, इंदौर
कोषाध्यक्ष
8889533336

कार्यकारिणी सदस्य

डॉ. सरोज कोठारी,
इंदौर
9229586613

अंजु गांधी,
मुंबई
9324522527

कल्याणी जैन,
मुंबई
9821459775

संजोत व्होरा,
अकलुज
7350338036

प्रिया शहा,
पुणे
7217215345

सुविधा जैन,
अजमेर
9950867336

प्रेरणा शाह,
सागवाड़ा
9414159460

साधना पी. कोटड़िया,
डुंगरपुर
9587795958

बिमला दोशी,
तलवाड़ा
8875428721

स्नेहा सरिया,
मुंबई
9324845296

स्मिता दोशी,
मुंबई
9769290650

आशा सेठ,
मुंबई
9820534735

नयना बेन डावड़ा,
मुंबई
9773613461

प्रिती बोबड़ा,
अहमदाबाद
9428246580

कल्पना दाणी
झाबुआ
9993816704

धनश्री,
बारामती
9850713113

चेतना दोशी,
राणापुर
9174347475

संगीता गांधी,
मनासा
6260344108

मोनिका कोटड़िया,
उज्जैन
9009211127

रंजना जैन,
मंदसौर
9424532544

संपादक-श्री यशपाल जुवां-9826097101, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री महेन्द्र बंडी (राष्ट्रीय महामंत्री) 9827255910 फेडरेशन ऑफ हुमड़ जैन समाज
पंजीकृत कार्यालय: 9, सिंदुर कॉ-ऑप., हाउसिंग सोसायटी, ईश्वर भवन के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380 014 - अहमदाबाद-सनमति 29/3, स्नेहलतागंज, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित